वन उत्पादकता संस्थान, रांची

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय रिखिया, देवघर (झारखण्ड) में प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत वन एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 17 सितम्बर, 2019

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून द्वारा हस्ताक्षरित समझौते ज्ञापन (MoU) के तहत दिनांक 17.09.2019 को वन उत्पादकता संस्थान रांची के निदेशक डॉ॰ नितिन कुलकर्णी एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) डॉ॰ योगेश्वर मिश्रा के निर्देशन में जवाहर नवोदय विद्यालय, रिखिया, देवघर में एक दिवसीय प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय के उप-प्राचार्य महोदय श्री एस॰एन॰झा ने संस्थान के सभी कर्मचारियों का स्वागत किया। सर्वप्रथम विद्यालय के प्रांगण में प्रार्थना सभा के दौरान संस्थान के श्री रवि शंकर प्रसाद मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं श्री एस॰एन॰वैद्य मुख्य तकनीकी अधिकारी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को वन पर्यावरण तथा वनों को विकसित करने पर अपना विचार रखा। प्रार्थना सभा में जवाहर नवोदय विद्यालय के उप-प्राचार्य समेत लगभग 530 विद्यार्थियों एवं 15 शिक्षकों ने भाग लिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय के वर्ग VII के विद्यार्थियों से प्रकृति काएर्यक्रम के अंतर्गत वन पर्यावरण को जागरूक कैसे करे तथा वन संवर्धन के बारे में चर्चा किया गया। संस्थान के श्री रवि शंकर प्रसाद मुख्य तकनीकी अधिकारी ने वन पर्यावरण से संबंधित जैव विविधता विषय पर अपना विचार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नो का संतोषजनक उत्तर दिया।

संस्थान के श्री निसार आलम मुख्य तकनीकी अधिकारी ने वनों की कटाई, वन दोहन, कृषि कार्य या अन्य कार्य के लिए वनों की कटाई किया जाना, वनो में आग लग जाने पर वन के अतिरिक्त अन्य जीव-जन्तुओं का पलायन या विनाश हो जाना जो वन एवं पर्यावरण को प्रभावित करता हैं पर चर्चा किया।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस॰एन॰वैद्य मुख्य तकनीकी अधिकारी ने पर्यावरण किन परिस्थितियों के कारण दूषित हो रहा हैं तथा उसके होने वाले रोग एवं कैसे इसे शुद्ध किया जा सकता हैं उस पर चर्चा की। इन्होने बताया की पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए अधिक से अधिक पौधा लगाना होगा तथा उसे सुरक्षित भी रखना होगा तभी पृथ्वी पर सभी प्राणियों-जीवों का वनो में रहना संभव होगा। विद्यालय के विद्यार्थियों से जंगली जीव जन्तुओं पर भी चर्चा की गयी। जंगल कट जाने के कारण जंगली जानवर शहर तथा गावों की ओर पलायन कर रहे हैं। इससे बचने के लिए वनों को सुरक्षित रखना होगा।

संस्थान के श्री सूरज कुमार तकनीकी सहायक ने पौधशाला तकनीक के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की ओर से श्री नेगी वनस्पति विज्ञान के अध्यापक ने पर्यावरण से होने वाली हानियों के बारे में संक्षिप्त परिचय देते हुये धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के श्री रवि शंकर प्रसाद, श्री एस॰एन॰वैद्य, श्री निसार आलम एवं श्री सूरज कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।